



# वेब्स 2025

## वैशिक भागीदारी और रचनात्मक सहयोग के माध्यम से विकास को गति प्रदान करना

18 फरवरी 2026

### वैशिक रचनात्मक अर्थव्यवस्था के लिए एक रणनीतिक मंच के रूप में वेब्स

वेब्स 2025- विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन, एक सरल लेकिन महत्वाकांक्षी विचार के साथ शुरू हुआ: दुनिया भर की रचनात्मक आवाजों को एक सहयोगी मंच पर एकजुट करना। 1 से 4 मई 2025 तक, मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर और जियो वर्ल्ड गार्डन एक गतिशील मिलन स्थल में परिवर्तित हो गए, जहां कहानीकार, प्रौद्योगिकीविद, निवेशक, नीति निर्माता और उद्योग जगत के नेता न केवल विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए, बल्कि सार्थक साझेदारी बनाने के लिए भी एकत्रित हुए।

भारत के पहले समर्पित वैशिक मीडिया और मनोरंजन मंच के रूप में परिकल्पित, WAVES को पारंपरिक शिखर सम्मेलन के प्रारूप से आगे बढ़कर रचनाकारों और बाजारों, विचारों और संस्थानों के बीच एक जीवंत इंटरफ़ेस

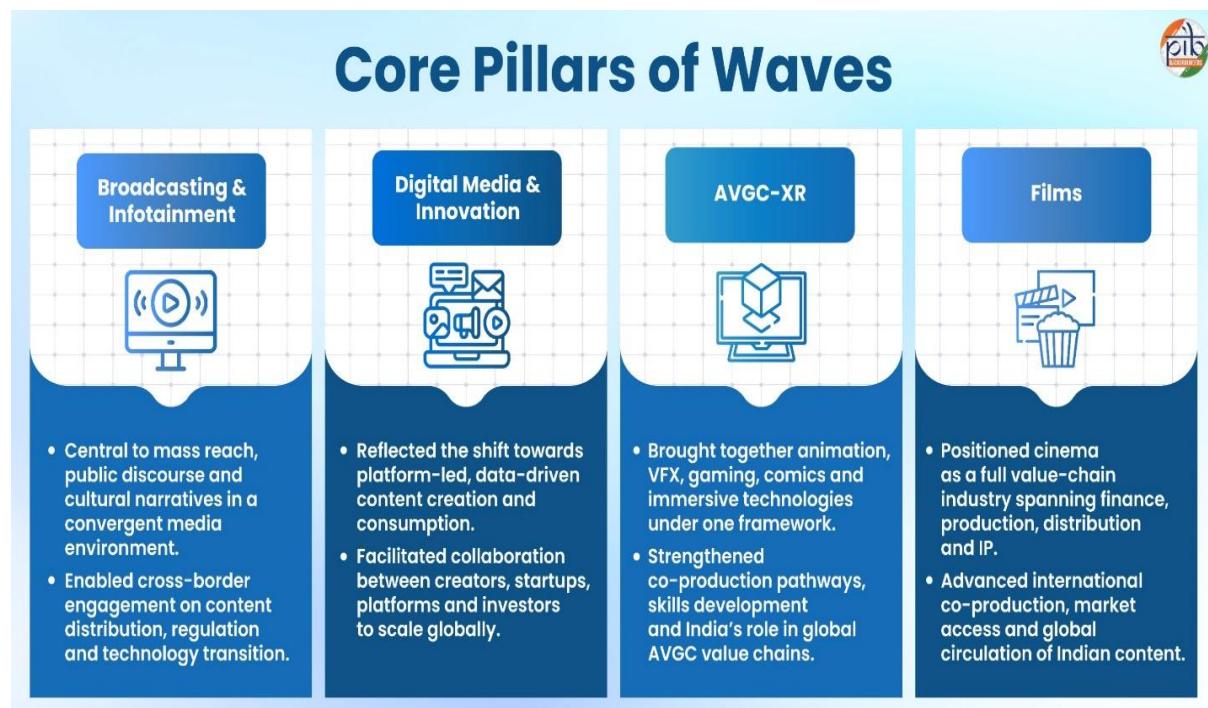


के रूप में कार्य करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। ऐसे समय में जब रचनात्मक उद्योग अर्थव्यवस्थाओं को उतना ही आकार दे रहे हैं जितना कि कल्पनाओं को, WAVES ने सहयोग को अपने डिज़ाइन के केंद्र में रखा। उद्देश्य स्पष्ट था: भारतीय और वैश्विक रचनात्मक पारिस्थितिकी तंत्रों को इस तरह से जोड़ना जिससे सामग्री निर्माण, रचनात्मक प्रौद्योगिकी, बौद्धिक संपदा और बाज़ार पहुँच के क्षेत्र में वास्तविक अवसर उत्पन्न हों। आगीदारी का पैमाना इस महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। 100 से अधिक देशों के हितधारक, जिनमें नीति निर्माता, वैश्विक स्टूडियो, स्टार्टअप, निवेशक और स्वतंत्र रचनाकार शामिल थे, प्रसारण, फ़िल्में, डिजिटल मीडिया, एनिमेशन, विजुअल इफ़ेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी (AVGC-XR) तथा उभरते प्रारूपों में शामिल हुए।

एक बार के आयोजन से कहीं बढ़कर, वेव्स ने इस बात का संकेत दिया कि भारत वैश्विक रचनात्मक अर्थव्यवस्था से किस प्रकार जुड़ता है। विभिन्न क्षेत्रों और प्रदेशों में बिखरी हुई चर्चाओं के बजाय, इसने नीति, वाणिज्य और रचनात्मक प्रतिभा को एक एकीकृत ढांचे में एकजुट किया।

## संस्थागत संरचना और मुख्य स्तंभ

वेव्स को उद्योग के कुछ प्रमुख स्तंभों के इर्द-गिर्द संरचित किया गया था, जो सामूहिक रूप से वैश्विक मीडिया और मनोरंजन पारिस्थितिकी तंत्र की व्यापकता और भविष्य की दिशा का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन क्षेत्रों को एक ही मंच पर लाकर, शिखर सम्मेलन ने अंतर-क्षेत्रीय अंतःक्रिया, नीतिगत संरेखण और वाणिज्यिक आदान-प्रदान को सक्षम बनाया, जो विश्व स्तर पर रचनात्मक उद्योगों की बढ़ती अभिसारी प्रकृति को दर्शाता है।



## क्रिएट इन इंडिया चैलेंज

वेब्स के केंद्र में क्रिएट इन इंडिया चैलेंज था, जो नई प्रतिभाओं को खोजने और उन्हें वैश्विक मंच पर लाने के लिए बनाया गया एक मंच था। पहले सीज़न में लगभग एक लाख पंजीकरण हुए, जिनमें 60 से अधिक देशों के 1,100 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी शामिल थे। ये आंकड़े बहुत कुछ कहते हैं, लेकिन इसके पीछे की प्रेरणा कहीं अधिक प्रभावशाली थी। विभिन्न महाद्वीपों के रचनाकारों ने भारत को



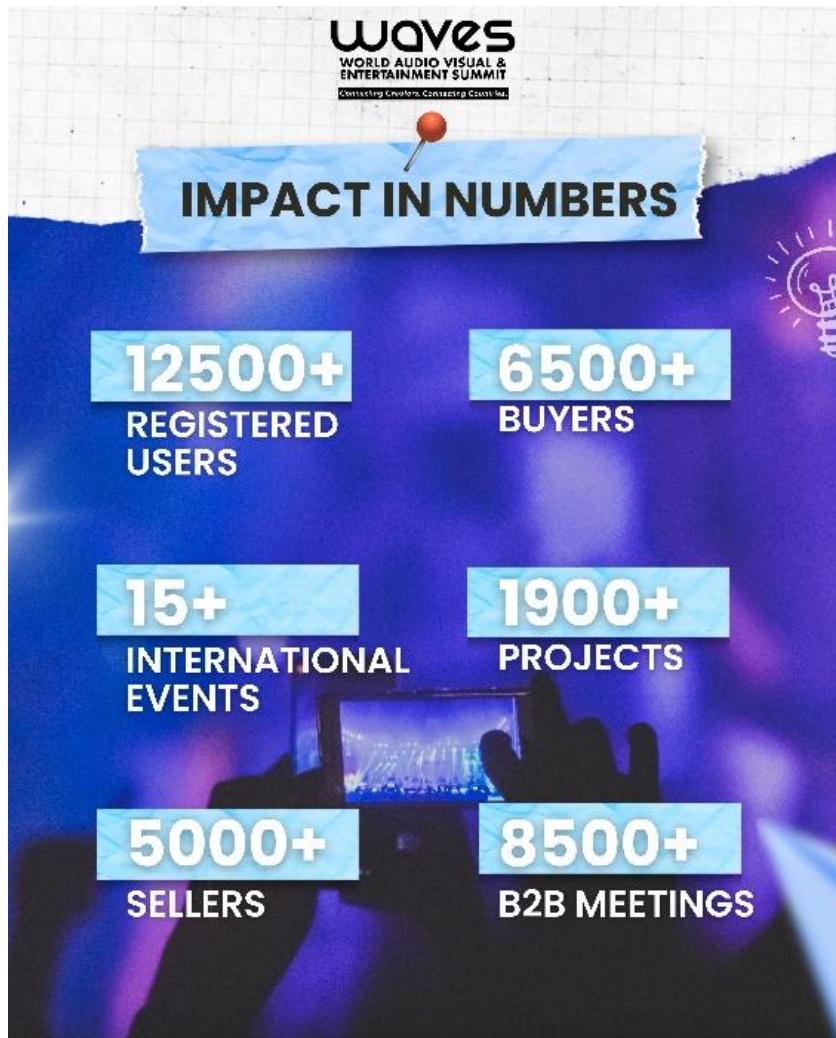
केवल एक बाज़ार के रूप में नहीं, बल्कि एक गतिशील मिलन स्थल के रूप में देखा, जहां विचारों का आदान-प्रदान होता है, सहयोग होता है और नई दिशा मिलती है।

### वेब्स बाज़ार

यदि 'क्रिएट इन इंडिया' का उद्देश्य प्रतिभाओं को पहचानना था, तो वेब्स बाज़ार का उद्देश्य उन्हें एक मंच प्रदान करना था। शिखर सम्मेलन की व्यावसायिक रीढ़ के रूप में, इसने फिल्म, टेलीविजन, गेमिंग, संगीत और इमर्सिव मीडिया के रचनाकारों, स्टूडियो, प्लेटफॉर्म, प्रसारकों, वितरकों और निवेशकों को एक साथ लाया - जिसका ढांचा न केवल नेटवर्किंग के लिए था, बल्कि वास्तविक सौदों और स्थायी व्यावसायिक संबंधों के लिए भी था। शिखर सम्मेलन से पहले शुरू किया गया और पूरे वर्ष संचालित होने के लिए डिज़ाइन किया गया, इसने एक स्पष्ट उद्देश्य को दर्शाया: बाज़ार तक पहुंच को सतत, संस्थागत और वैश्विक स्तर पर जु़़़ा होना चाहिए।

### मुख्य परिणाम:

- सुनियोजित बी2बी बैठकों, परियोजना प्रस्तुतियों और सामग्री खोज प्रारूपों सहित सुनियोजित खरीदार-विक्रेता सहभागिता को सक्षम बनाया गया।
- 3,000 से अधिक बी2बी बैठकों का संचालन किया गया, जिनसे ₹800 करोड़ से अधिक के व्यावसायिक सौदे हुए, और शिखर सम्मेलन के बाद बातचीत आगे बढ़ने पर सौदों का मूल्य ₹1,000 करोड़ से अधिक होने का अनुमान है।
- अकेले खरीदार-विक्रेता बाजार से ₹500 करोड़ से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ, जो मजबूत व्यावसायिक आकर्षण को दर्शाता है।
- पिच रूम ने 100 से अधिक प्रविष्टियों में से 16 परियोजनाओं को शॉटलिस्ट किया, जिससे रचनाकारों को वैश्विक खरीदारों और निवेशकों तक सीधी पहुंच मिली।



- व्यूइंग रूम ने आठ देशों की 100 फिल्मों का प्रदर्शन किया, जिससे अंतरराष्ट्रीय दृश्यता और वितरण के अवसर मजबूत हुए।
- इससे सीमा पार ठोस परिणाम प्राप्त हुए, जिनमें भारतीय और वैश्विक साझेदारों के साथ अंतरराष्ट्रीय सह-निर्माण की घोषणाएं शामिल हैं।

वेव्स बाजार का प्रभाव शिखर सम्मेलन से कहीं अधिक व्यापक है। एक साल भर चलने वाले वैश्विक बाजार के रूप में, यह उद्योग जगत की निरंतर भागीदारी और मापने योग्य परिणाम उत्पन्न करता रहता है।

## सांस्कृतिक कार्यक्रम और संगीत समारोह

वेव्स में, जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ महज कार्यक्रम का हिस्सा नहीं थीं, बल्कि ये साझा अनुभव थे जिन्होंने जुड़ाव को बढ़ावा दिया, विविधता का जश्न मनाया और सभा की भावना को जीवंत कर दिया। मुंबई में चार दिनों तक चले वेव्स सांस्कृतिक कार्यक्रम और संगीत समारोहों ने भारत की शास्त्रीय, लोक और समकालीन परंपराओं को



अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों के साथ एक मंच पर ला खड़ा किया, जिससे मंच साझा अभिव्यक्ति का स्थान बन गया। ऑर्केस्ट्रा रचनाओं और नृत्य से लेकर सीमा पार सहयोग तक, इन प्रस्तुतियों ने "रचनाकारों को जोड़ना, देशों को जोड़ना" की भावना को मूर्त रूप दिया।

संस्कृति को शिखर सम्मेलन के मूल में समाहित करके, वेव्स ने जीवंत कलात्मक आदान-प्रदान को महज एक उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि सहयोग, रचनात्मक संवाद और वैशिक प्रभाव के उत्प्रेरक के रूप में स्थापित किया।

## वेवएक्स (वेवएक्ससेलरेटर)

वेवएक्स ने स्टार्टअप इकोसिस्टम की गतिशीलता से वेव्स को सशक्त बनाया। मीडिया, मनोरंजन और भाषा प्रौद्योगिकियों में नवाचार पर केंद्रित, इसने उभरते उद्यमों, सरकारी संस्थानों, निवेशकों और वैशिक उद्योग जगत के नेताओं के बीच एक सेतु का निर्माण किया - विचारों को व्यापक विस्तार और प्रभाव के मार्ग में परिवर्तित किया।

वेव्स 2025 में, 30 से अधिक स्टार्टअप्स ने माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और लुमिकाई जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के सामने लाइव पिच प्रस्तुत की, जबकि लगभग 100 स्टार्टअप्स ने अपने समाधानों का प्रदर्शन किया, जिससे पूंजी और साझेदारी के द्वार खुले। शिखर सम्मेलन के बाद, वेवएक्स इनक्यूबेशन, मैटरशिप और टी-हब, आईआईटी दिल्ली और केंद्रों के एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के साथ संस्थागत साझेदारी के

माध्यम से स्टार्टअप्स का समर्थन करना जारी रखता है - नवाचार को भारत के रचनात्मक इकोसिस्टम में समाहित करता है और इसे वैश्विक अवसरों से जोड़ता है।

## वैश्विक मीडिया संवाद

वैश्विक मीडिया संवाद मुंबई में आयोजित वेव्स 2025 के केंद्रबिंदु के रूप में आयोजित एक उच्च स्तरीय सरकारी पहल थी। इसने वेव्स को संस्थागत मजबूती प्रदान की, जिससे सरकारें, नियामक और उद्योग जगत के नेता एक साझा बहुपक्षीय मंच पर एक साथ आए। इसने प्रौद्योगिकी और शासन से लेकर समावेशन और सीमा पार सहयोग तक, विश्व स्तर पर मीडिया को नया आकार देने वाले संरचनात्मक परिवर्तनों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

इसके मूल में वेव्स घोषणापत्र को अपनाना था - मीडिया और मनोरंजन में वैश्विक सहयोग को मजबूत करने के लिए भागीदार देशों की एक औपचारिक, सामूहिक प्रतिबद्धता। घोषणापत्र ने नैतिक मीडिया प्रथाओं, डिजिटल समावेशन, सांस्कृतिक विविधता और उभरती प्रौद्योगिकियों के जिम्मेदार उपयोग पर जोर दिया, साथ ही सीमा पार साझेदारी और सह-निर्माण को प्रोत्साहित किया। इन सिद्धांतों को औपचारिक रूप से स्थापित करके, संवाद चर्चा से आगे बढ़कर विचार-विमर्शपूर्ण समन्वय की ओर बढ़ा, जिससे वेव्स एक ऐसे मंच के रूप में स्थापित हुआ जहां साझा दृष्टिकोण समन्वित कार्रवाई में परिवर्तित होता है, और रचनात्मक अर्थव्यवस्था में वैश्विक सहमति आकार लेना शुरू करती है।

## वेव्स घोषणापत्र

2 मई 2025 को मुंबई में आयोजित वेव्स 2025 के वैश्विक मीडिया संवाद में अपनाया गया, वेव्स घोषणापत्र 77 भागीदार देशों द्वारा अनुमोदित किया गया, जो मीडिया और मनोरंजन के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

### प्रमुख प्रतिबद्धताएं और सिद्धांत:

- महामारी के बाद की अनिश्चित दुनिया में वैश्विक सद्भाव, सांस्कृतिक समझ और लचीलेपन को बढ़ावा देने में मीडिया और मनोरंजन की भूमिका की पुष्टि करता है।
- सुलभता, सामर्थ्य और नागरिक-केंद्रित मीडिया पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर डिजिटल विभाजन को पाठने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे सभी समुदायों में समान भागीदारी सुनिश्चित हो सके।
- नैतिक, समावेशी और जिम्मेदार मीडिया पर जोर देता है, जिसमें विविध आवाजों, जनहित सामग्री और तथ्य-आधारित पत्रकारिता को बढ़ावा देना शामिल है।
- मीडिया और मनोरंजन को समावेशी विकास और रोजगार के इंजन के रूप में मान्यता देता है, जिसमें युवाओं, महिलाओं और अल्पप्रतिनिधित्व वाले समूहों पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

- यह निष्पक्ष और खुले बाजारों, बौद्धिक संपदा की सुरक्षा और सीमा पार साइबरेटरी का समर्थन करता है, जिसमें सह-उत्पादन, व्यापार और संयुक्त वित्तपोषण मॉडल शामिल हैं।
- पारदर्शिता, जवाबदेही और समावेशिता के मार्गदर्शन में उभरती प्रौद्योगिकियों, विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार और नैतिक उपयोग की पुष्टि करता है।
- मानवाधिकारों और सांस्कृतिक संवेदनशीलता का सम्मान करते हुए, गलत सूचना और दुष्प्रचार का मुकाबला करने के लिए सहयोग को मजबूत करने का आहवान करता है।
- सतत विकास लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराता है, जो रचनात्मक उद्योगों को दीर्घकालिक शांति, प्रगति और समृद्धि से जोड़ता है।

## रणनीतिक दिशा: भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था के लिए एक खाका

मंचों और बाजारों से परे, वेव्स 2025 के सम्मेलन सत्र ने एक गहरा प्रश्न उठाया: भारत किस प्रकार के रचनात्मक भविष्य का निर्माण कर रहा है? "रचनात्मक भारत के लिए खाका" के रूप में प्रस्तुत इस सम्मेलन में हुई चर्चाएँ उत्सव से आगे बढ़कर रणनीति की ओर बढ़ीं - मीडिया और मनोरंजन को केवल सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि आर्थिक विकास के इंजन के रूप में पुनर्परिभाषित किया गया, जो निर्यात बढ़ाने, रोज़गार सृजित करने और वैश्विक मंच पर भारत की सांस्कृतिक आवाज़ को बुलंद करने में सक्षम हैं।

इन चर्चाओं में रचनाकारों और स्टार्टअप्स को हाशिए पर रहने वाले प्रतिभागियों के बजाय नए बाजारों को आकार देने वाले आर्थिक कर्ताओं के रूप में मान्यता दी गई। भारत की रचनाकार अर्थव्यवस्था के तीव्र विस्तार से लेकर मुख्यधारा के मीडिया, विज्ञापन और इमर्सिव स्टोरीटेलिंग में AVGC-XR के एकीकरण तक, यह संदेश स्पष्ट था: आज रचनात्मकता प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और वैश्विक महत्वाकांक्षा से अविभाज्य है। शिक्षा प्रणालियों, इनक्यूबेशन नेटवर्क और नीतिगत ढांचों में नवाचार को समाहित करना एक साझा प्राथमिकता के रूप में उभरा, जिससे यह विचार पुष्ट हुआ कि रचनात्मक उद्योग केवल विशिष्ट क्षेत्र नहीं हैं, बल्कि निर्यात के लिए तैयार, भविष्योन्मुखी क्षेत्र हैं।

## सहभागिता, परिणाम और उद्योग पर प्रभाव

### पैमाना और वैश्विक भागीदारी

वेव्स 2025 का आयोजन इतने बड़े पैमाने पर हुआ कि इससे वैश्विक स्तर पर इसकी व्यापक भागीदारी का संकेत मिला। मुंबई में 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि एकत्रित हुए, जिनमें नीति निर्माता, उद्योगपति, रचनाकार, स्टार्टअप और प्रसारण, डिजिटल मीडिया, AVGC-XR, फिल्म और संबद्ध क्षेत्रों के उद्यम शामिल थे।

एक लाख से अधिक लोगों ने इस शिखर सम्मेलन में भाग लिया। इनमें 10,000 से अधिक प्रतिनिधि, 1,000 रचनाकार, 300 से अधिक कंपनियां और 350 स्टार्टअप शामिल थे। इसका महत्व न केवल

इसके पैमाने में था, बल्कि इसकी संरचना में भी था। निर्णय लेने वाले, नवप्रवर्तक और कहानीकार एक ही मंच पर उपस्थित हुए, जिससे WAVES रचनात्मक अर्थव्यवस्था के भीतर रचनात्मक विचारों, निवेश और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए एक मिलन स्थल बन गया।

## नीतिगत और संस्थागत परिणाम

नीतिगत स्तर पर, वैशिक मीडिया संवाद ने सरकारों और संस्थानों के बीच संवाद के लिए एक औपचारिक बहुपक्षीय मंच प्रदान किया। इस संवाद में 77 देशों ने भाग लिया, जिसके परिणामस्वरूप वेव्स घोषणापत्र को अपनाया गया। इस घोषणापत्र में नैतिक मीडिया प्रथाओं, डिजिटल समावेशन, सांस्कृतिक विविधता और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर साझा प्रतिबद्धताओं को व्यक्त किया गया। इस परिणाम ने वेव्स को केवल एक परामर्श मंच से कहीं अधिक महत्व दिया और इसे सामूहिक रूपरेखा तैयार करने में सक्षम मंच के रूप में स्थापित किया, जिससे वैशिक मीडिया और सांस्कृतिक शासन में भारत की भूमिका और भी मजबूत हुई।

## रचनाकार, प्रतिभा और क्रिएटोस्फीयर के परिणाम

क्रिएट इन इंडिया चैलेंज ने प्रतिभा की खोज को अवसर में बदल दिया। 33 श्रेणियों में प्रविष्टियों से शुरू हुआ यह कार्यक्रम एक वैशिक रचनात्मक आदान-प्रदान में तब्दील हो गया, जिसमें भारत और 60 से अधिक देशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसकी व्यापकता ने न केवल रुचि को दर्शाया, बल्कि भारत को एक साझा मंच के रूप में विश्वास को भी प्रदर्शित किया।

750 से अधिक फाइनलिस्टों के लिए, क्रिएटोस्फीयर सिर्फ एक प्रदर्शन स्थल से कहीं अधिक बन गया। यह वैशिक नेटवर्क में प्रवेश का एक माध्यम था। आठ रचनात्मक क्षेत्रों में, रचनाकारों ने स्टूडियो, प्लेटफॉर्म और सहयोगियों से संपर्क साधा। वेव्स क्रिएटर अवार्ड्स ने उनमें से 150 से अधिक को सम्मानित किया, लेकिन इसका स्थायी परिणाम संरचनात्मक था। अब उभरती प्रतिभाओं के लिए वैशिक रचनात्मक अर्थव्यवस्था में पहचान से वास्तविक अवसर की ओर बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

## स्टार्टअप नवाचार और वेवएक्स सहभागिता

वेवएक्स प्लेटफॉर्म पर भाग लेने वाले 200 से अधिक स्टार्टअप्स के लिए, भागीदारी प्रगति में तब्दील हुई। 30 से अधिक उद्यमों द्वारा लाइव प्रस्तुतियाँ और लगभग 100 द्वारा प्रदर्शनियाँ मंच पर ही समाप्त नहीं हुईं। इनसे निवेशकों से संपर्क, साझेदारी पर चर्चा और बड़े उद्योग नेटवर्क में प्रवेश के लिए सुनियोजित रास्ते बने। कई संस्थापकों ने इन संपर्कों को ठोस अगले कदमों में परिवर्तित किया - उत्पाद रणनीति को परिष्कृत करना, मैटरशिप प्रतिबद्धताएँ प्राप्त करना, पायलट परियोजनाओं पर बातचीत शुरू करना और वित्तपोषण के रास्ते तलाशना। इस प्लेटफॉर्म ने नवाचार और बाजार के बीच

की दूरी को कम किया। वेवएक्स ने केवल स्टार्टअप्स को एक साथ नहीं लाया; इसने प्रदर्शन को क्रियान्वयन में बदलने में मदद की।

## बाजार मंच और उद्योग एकीकरण

वेव्स बाजार के माध्यम से व्यावसायिक बातचीत सक्रिय सौदों में तब्दील हुई। सुनियोजित क्रेता-विक्रेता बैठकों और चुनिंदा अधिकार संबंधी चर्चाओं ने रचनाकारों और उद्यमों को परियोजनाओं को बातचीत के चरण में ले जाने, सह-निर्माण वार्ता शुरू करने और फ़िल्म, टेलीविजन, संगीत, एनिमेशन और डिजिटल मीडिया में वितरण मार्गों को औपचारिक रूप देने में सक्षम बनाया। भाग लेने वाली कंपनियों के लिए, इस मंच ने प्रस्ताव और साझेदारी के बीच की बाधाओं को कम किया। चर्चाएँ व्यावसायिक गठबंधनों, सामग्री लाइसेंसिंग की संभावनाओं और सीमा पार सहयोग में परिणत हुईं। वेव्स बाजार ने केवल बाजारों को जोड़ा ही नहीं, बल्कि उनमें प्रवेश को गति प्रदान की, जिससे ठोस व्यावसायिक गतिविधियों के माध्यम से वैश्विक रचनात्मक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की स्थिति मजबूत हुई।

## संस्थागत क्षमता निर्माण और पारिस्थितिकी तंत्र समर्थन

वेव्स 2025 ने रचनात्मक अर्थव्यवस्था में दीर्घकालिक क्षमता निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत दिया। AVGC-XR के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में IICT की स्थापना ने उभरती रचनात्मक प्रौद्योगिकियों में उन्नत कौशल और उत्पादन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए संस्थागत प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाया। इसके बाद के महीनों में, 15,000 माध्यमिक विद्यालयों और 500 कॉलेजों में AVGC कंटेंट क्रिएटर लैब्स की घोषणा करके इस दिशा को और मजबूत किया गया, जिसका उद्देश्य 2030 तक दो मिलियन पेशेवरों का कार्यबल तैयार करना है।

ये सभी कदम मिलकर यह दर्शाते हैं कि वेव्स में व्यक्त की गई परिकल्पना संरचनात्मक विस्तार में परिवर्तित हो रही है, जिससे भारत के रचनात्मक उद्योगों को वैश्विक स्तर पर विस्तार करने के लिए आवश्यक प्रतिभाओं की आपूर्ति मजबूत हो रही है।

## निष्कर्ष: आयोजन शक्ति से लेकर स्थायी क्षमता तक

वेव्स 2025 ने भारत के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ को उजागर किया। रचनात्मक अर्थव्यवस्था हाशिये से निकलकर विकास और कूटनीति के केंद्र में आ गई है। यह अब इस बात का प्रमुख चालक है कि राष्ट्र कैसे जुड़ते हैं, प्रतिस्पर्धा करते हैं और सहयोग करते हैं। शिखर सम्मेलन ने न केवल व्यापकता, बल्कि आत्मविश्वास भी प्रदर्शित किया। रचनाकारों ने वैश्विक महत्वाकांक्षा व्यक्त की, स्टार्टअप्स ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए समर्थन प्रस्तुत किए, और नीति निर्माताओं ने इस समझ के साथ विचार-विमर्श किया कि संस्कृति, प्रौद्योगिकी और वाणिज्य तेजी से परस्पर जुड़े हुए हैं।

वेव्स का प्रभाव उन सेतुओं में निहित है जिन्हें इसने बनाना शुरू किया है। स्वतंत्र कहानीकारों और वैशिक स्टूडियो के बीच। प्रारंभिक चरण के संस्थापकों और संस्थागत पूँजी के बीच। समान तकनीकी बदलावों से जूँझ रही सरकारों के बीच। ये केवल प्रतीकात्मक संकेत नहीं थे। ये वास्तविक समय में आकार ले रहे कामकाजी संबंध थे।

शायद सबसे महत्वपूर्ण परिणाम निरंतरता है। नेटवर्क बने रहते हैं। साझेदारियाँ आगे बढ़ती हैं। युवा रचनाकार वैशिक संपर्कों के साथ घर लौटते हैं। स्टार्टअप्स बेहतर दिशा-निर्देशों के साथ उत्पादों को परिष्कृत करते हैं। संस्थान साझा ढाँचों को आगे बढ़ाते हैं। इस तरह, वेव्स एक आयोजन से बुनियादी ढाँचे में तब्दील हो जाता है। यदि सावधानीपूर्वक इसका रखरखाव किया जाए, तो यह मंच भारत की वैशिक रचनात्मक मूल्य श्रृंखलाओं में उपस्थिति को मुखरता से नहीं, बल्कि भागीदारी और साझेदारी के माध्यम से गहरा करने की क्षमता रखता है। रचनात्मक अर्थव्यवस्था का भविष्य उन लोगों द्वारा आकार दिया जाएगा जो कल्पनाशीलता और संगठन को एक साथ जोड़ सकते हैं। वेव्स से संकेत मिलता है कि भारत इन दोनों को हासिल करने का इरादा रखता है।

## संदर्भ:

- <https://www.pib.gov.in/waves/2025/index.aspx?req=3&lang=2>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2126844&req=3&lang=2>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2125725&req=3&lang=2>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2124892&req=3&lang=2>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2122688&req=3&lang=2>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2117273&req=3&lang=2>
- <https://www.newsoneair.gov.in/create-in-india-challenge-gears-up-for-grand-finale-at-waves-2025-in-mumbai/>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2107781&req=3&lang=2>
- <https://www.pib.gov.in/FactsheetDetails.aspx?Id=149197&req=3&lang=2>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2212471&req=3&lang=1>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2124294&req=3&lang=2>

- <https://www.pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2126611&reg=3&lang=2>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleseDetailm.aspx?PRID=2126356&reg=3&lang=2>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2169131&reg=3&lang=2>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2126127&reg=3&lang=2>
- <https://www.pib.gov.in/FeaturesDeatils.aspx?NoteId=154360&ModuleId=2&reg=3&lang=2>
- <https://storage.googleapis.com/waves-bucket-01/jc-waves-api-2024/Culturals%20Brochure%20Final.pdf>
- <https://wavesindia.org/>
- <https://wavesbazaar.com/>
- [https://storage.googleapis.com/waves-bucket-01/jc-waves-api-2024/News/outcomereports/Waves-Report-15-july\\_compressed.pdf](https://storage.googleapis.com/waves-bucket-01/jc-waves-api-2024/News/outcomereports/Waves-Report-15-july_compressed.pdf)
- <https://storage.googleapis.com/waves-bucket-01/jc-waves-api-2024/News/outcomereports/Global%20Media%20Dialogue.pdf>
- [https://storage.googleapis.com/waves-bucket-01/jc-waves-api-2024/News/outcomereports/Waves-report-final-artwork\\_compressed.pdf](https://storage.googleapis.com/waves-bucket-01/jc-waves-api-2024/News/outcomereports/Waves-report-final-artwork_compressed.pdf)
- [https://storage.googleapis.com/waves-bucket-01/jc-waves-api-2024/News/outcomereports/Waves-bazaar-Artwork-New\\_compressed.pdf](https://storage.googleapis.com/waves-bucket-01/jc-waves-api-2024/News/outcomereports/Waves-bazaar-Artwork-New_compressed.pdf)

## पीआईबी शोध

पीके/केसी/एनएम